

Gandhi Darpan: AIL Exhibition @ SBPS

In 2024, the nation will commemorate the 155th birth anniversary of the Father of the Nation- Mahatma Gandhi. The students of Sarala Birla Public School, Ranchi offered a heart-warming homage to the Father of the Nation by organising Gandhi Darpan- an exhibition on the life and values of Gandhiji. Ahimsa, Truth, Peace, Nai Taleem, Sarv Dharm Sam Bhav, the various Satyagrahas led by him, and the spirit of nationalism were showcased in the form of rangoli, paintings, miniature flags, kites, badges, masks, calendars, letters, collage, models of the charkha etc. The ambience of celebrating the life of Man of the Millennium was set by the live musical rendition of his favourite bhajans like Vaishnava Janato and Raghupati Raghav Rajaram in the backdrop of a village setting. Other attractions were the nail art/tattoo and mehendi corner and the Sankalp Vriksh on which were tied leaf- shaped resolutions written by students, parents and teachers.

Visitors were appreciative of the efforts of the institution to bring the young generation closer to the ideals that shaped Gandhiji's life. 'My life is my message' is what we should aspire to emulate: that will be the richest tribute to Mahatma Gandhi.

School Head Personnel & Admin., Dr. Pradip Varma, appreciated the students, teachers and parents for their sincere efforts.

Principal, Mrs. Paramjit Kaur, acclaimed the efforts and the thought that had gone into the whole exhibition. She remarked that if the present generation can hold on to the principles and morals Gandhiji had lived by all his life, we will definitely have a nation free from all the atrocities.

सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची में आर्ट इंटीग्रेटेड प्रदर्शनी 'गांधी दर्पण' का भव्य आयोजन

सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची के छात्रों ने गांधीजी के जीवन और मूल्यों पर एक प्रदर्शनी – 'गांधी दर्पण' का आयोजन करके राष्ट्रपिता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अहिंसा, सत्य, शांति, नई तालीम, सर्व धर्म समभाव, सत्याग्रह और राष्ट्रवाद की भावना को रंगोली, पेंटिंग, लघु झंडे, पतंग, बैज, मुखौटे, कैलेंडर, पत्र, कोलाज के रूप में प्रदर्शित किया। साथ ही चरखे के मॉडल आदि को भी दर्शाया। 'मिलेनियम मैन' के जीवन का जश्न मनाने के लिए प्रदर्शनी में एक गाँव की पृष्ठभूमि में उनके पसंदीदा भजनों जैसे वैष्णव जन तो और रघुपति राघव राजाराम की लाइव संगीतमय प्रस्तुति की गई। अन्य आकर्षण नेल आर्ट/टैटू और मेहंदी कॉर्नर और संकल्प वृक्ष थे, जिस पर छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों द्वारा लिखे

गए पत्तों के आकार के संकल्प बंधे थे। अभिभावकों ने गांधीजी के जीवन के आदर्शों को युवा पीढ़ी द्वारा जीवन में उतारने के लिए संस्थान के प्रयासों की सराहना की।

विद्यालय के कार्मिक व प्रशासनिक प्रमुख डॉ. प्रदीप वर्मा ने छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की उनके ईमानदार प्रयासों के लिए सराहना की।

प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने प्रदर्शनी में किए गए प्रयासों और विचारों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यदि वर्तमान पीढ़ी गांधीजी द्वारा अपनाए गए सिद्धांतों और नैतिकता को कायम रख सकती है, तो हमें निश्चित रूप से सभी अत्याचारों से मुक्त राष्ट्र मिलेगा।

